जॉयस मेयर

गड़बडी तै किस तरियां आजादी पावैं

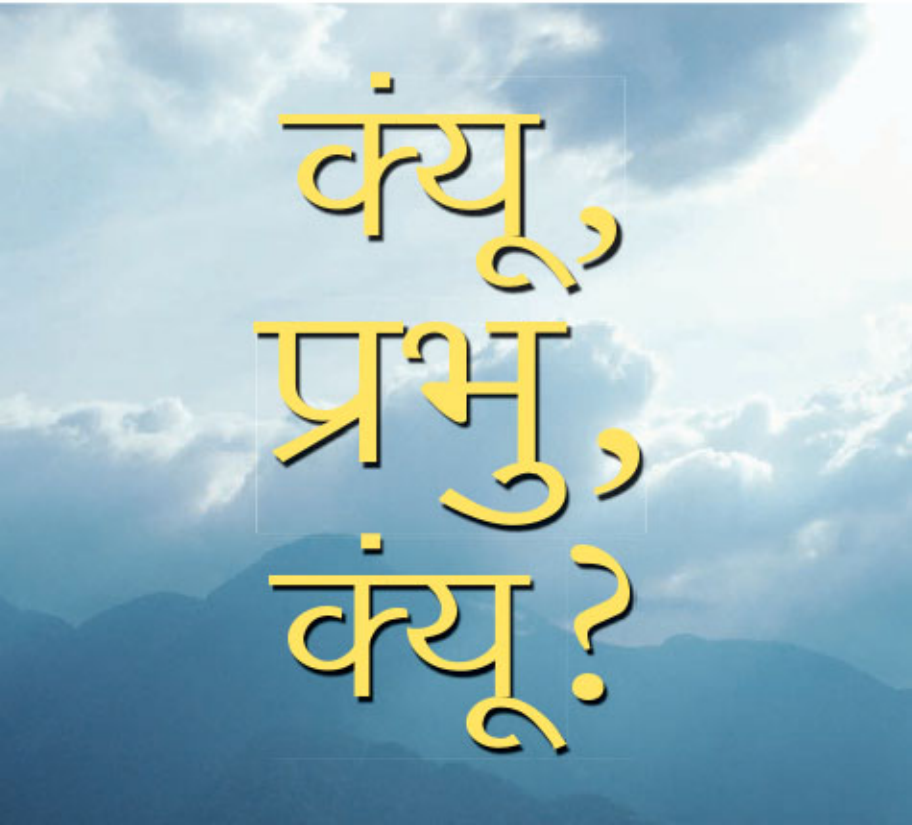

क्यूं प्रभु क्यूं

गड़बडी तै किस तरियां आजादी पावैं

क्यू प्रभु क्यू

गड़बडी तै किस तरियां आजादी पावैं

जॉयस मेयर

JOYCE MEYER MINISTRIES®

Plot No. 512/B, Road No. 30, Jubilee Hills, Hyderabad - 500 033

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from The Amplified Bible (AMP). The Amplified Bible, Old Testament copyright © 1965, 1987 by The Zondervan Corporation.
The Amplified New Testament, copyright © 1965, 1958, 1987 by The Lockman Foundation. Used by permission.

Scriptures marked KJV arae taken from the *King James Version* of the Bible.

Copyright © 2016 by Joyce Meyer Ministries - Asia

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, or stored in a database or retrieval system, without the prior written permission of Joyce Meyer Ministries - Asia.

Joyce Meyer Ministries - Asia
Plot No. 512/B, Road No. 30,
Jubilee Hills, Hyderabad - 500 033

Phone: +91-40-2300 6777
Website: www.jmmindia.org

Why, God, Why? - Haryanvi
How to Be Delivered from Confusion

Printed at:
Caxton Offset Pvt. Ltd.
Hyderabad - 500 004

विषय-सूची

प्रस्तावना	7
1. गड़बड़ी का के कारण सै	9
2. तर्को (वाद–विवादों) तै मुक्ति	13
3. विश्वास का रवैया	15
4. अनुग्रह हर दिन के हिसाब तै आया करै सै	17
5. जे केवल	21
6. के हो जे (क्या हो जे)	25
7. आपणी अक्ल के पाछै ना जाओ	29
8. "तर्क" छलया करै सै	35
9. गड़बड़ी आप का आनन्द छीन लिया करै सै	41

प्रस्तावना

यूहन्ना 10–10 मैं लिख्या सै के चोर किसे होर काम की खातिर ना पर केवल चोरी करण अर घात करण अर नाश करण नै आया करै सै, यीशु इस कारण आया कै आप जीवन पावैं अर बहुतायत तै पावै।

शैतान आपका जीवण चुरा लिया करै सै अर इस तरियां आपनै जीवन के आनन्द तै वंचित कर दिया करै सै पर मेरी प्रार्थना यो सै के यो किताब आपनै यो सिखाण मैं मददगार होवैगी के किस तरियां आप अपने जीवन मै परमेश्वर नै परमेश्वर बणावैं ताकि आप उस शक्ति अर आनन्द की बहुतायत का आनन्द ले सकें। जिसनै आपको देण की खातिर यीशु मसीह नै क्रुस पै बलिदान देणा पड़या।

1

गड़बड़ी का के कारण सै

क्या आप गड़बड़ी मै सौ? क्या इस टैम आपकी जिन्दगी मैं कुछ इस तरियां हो रहया सै जिसनै आप समझ नहीं पा रहे, शायद यो आपका अतीत हो। अर आप समझ नही पा रहे सो। के क्यूं आप का जीवन इस तरियां का था, शायद आप कह रहे हो, "मै ही क्यूं प्रभु? मेरी गेल्यां हालात इस तरिया क्यूं ना होये या वैसे क्यूं ना होये या ऐ क्यूं होये? जिस तरियां मनै झेलणे पड़े? मै बस समझ नही पा रही?"

मनै समझ मैं आण लाग रहया सै के बोहत से लोग बूरी तरियां गड़बड़ी के शिकार सैं। मनै अतीत मैं खूद अनूभव करया था अर जाण ली थी के किस तरियां गड़बड़ी लोगां नै सताया करै सै अर मैं सोचण लाग गई कि लोग गड़बड़ी मैं क्यूं पड़या करै सैं। अर इसतै बचणे की खातिर वे के कर सकैं सैं।

एक रात मैं कैनसास शहर मैं एक सभा कर रही थी अर लगभग 300 लोग थे, मनै लाग्या के मैं न्यूं पूछूं के इस टैम कितने लोग किसे ना किसे मुद्दे के कारण अपणे जीवन मै गड़बड़ी के शिकार सै। मनै

हैरानी होई के सिर्फ दो ही माणस थे जो इसे दिखे के जिनका हाथ खड़ा नहीं था अर उनमै तै एक मेरे पति थे।

जे मनै सही देख्या तो मतलब यू होया के 300 मैं ते 298 लोग गड़बड़ी मैं थे। जैसे–जैसे मनैं अलग–अलग समूहां नै जांचणा शुरू करया तो पता चाल्या के सारिये जगह यूहे मामला सै, बेशक प्रतिशत अलग–अलग थे पर संख्या ज्यादा ही थी।

जद मनै इस पै विचार करया अर प्रभु तै प्रार्थना करी के प्रभु मनै बता के गड़बड़ी क्यूं होया करै सै। "उसनै बताया के उनते कहो के हर बात पै तर्क–वितर्क करणा छोड़ दयोगे तो गड़बड़ी तै छूट जाओगे"। इब मनै समझ मैं आया के इसे तै तो मै भी इस गड़बड़ी का शिकार नहीं होती। इब तक भी मेरे जीवन मैं बोहत सी बाते सै जिसनै मैं समझ नी पाती। पर इब एक बोहत बड़ा अन्तर आ गया सै। परमेश्वर नै मारे को हर बात का तर्क जाणने तै आजाद कर दिया सै इसे तर्क की बात करी गई सै। (कुरि 1:10 मैं) इस लिए मेरे जीवण मैं जो बाते मनै समझ मैं ना आवै उनको समझण की मै कोशिश नहीं करती।

यू बोहत आसान लागै सै, है ना? पर गड़बड़ी के जुल्म तै पूरी मुक्ती मिल जाया करती है यदि बात का तर्क समझणे के लोभ ते हम छुटकारा पालें, जे आप सचमुच रूक के इस पै सोचें तो इसका कोई भी मतलब नहीं निकलता क्यांकि यू सब उस इलाके मैं उथल–पूथल मचा दिया करै सै जिसनै मन कहया करै सै।

मन जंग का वो मैदान सै जिसमै शैतान ते म्हारी जंग जीती या हारी जाया करै। गड़बड़ी का कर्त्ता (कुरि 14:33) शैतान सै। शैतान म्हारे को दिया करे सै तर्क अर सिधान्त जो परमेश्वर के वचन तै

मेल नहीं खाते दूसरा कुरि. 10:4–5 मैं लिख्या सै हमनै एक प्रकार की सोच को हटाणा होगा जे युद्ध जीतणा सै जो सै तर्क अर वचन मैं भी लिख्या सै।

> "क्योंकि म्हारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं सैं पर गढ़ों को ढ़ा देणे के लिए परमेश्वर के द्वारा सामर्थी सै"
>
> सो हम कल्पनाओं को अर हर ऊँची बात को जो परमेश्वर की पहचान के विरोध मैं उठया करै सै खण्डन करा सै। अर हर भावना नै कैद करकै मसीह का आज्ञाकारी बणा देवा सै। (मसीह को अभिविकत है)
>
> 2 कुरि॰ 10:4–5

यदि वचन म्हारे तै निदेर्श दे कि बातो का तर्क जाणने की कोशिश ना करैं, फेर हमनै आज्ञा मानणी होगी अर फेर जब तर्क मन मैं आवै तो हमनै अपणे विचार मसीह की आज्ञाकारिता की ओर लगाणे चाहिए ये शास्त्र वचन कह रहे सै कि हम युद्ध कर रहे सै अर म्हारे हथियार म्हारे युद्ध ज्यादातर दिमागी जंग सै शैतान म्हारे दिमागों पै आक्रमण करता है।

इन शास्त्र वचनां कै अनुसार हम उसके ये आक्रमण झेल रहे सैं आपणी कल्पनाओं के द्वारा क्या कदे आपनै इस तरियां की बातों की कल्पना करी सै जो सच नहीं सै या अपने मन मैं इस तरियां की बातों का चित्र देखो

जो आप जानते है कि सही नहीं सै? सिद्धान्त की योजनावां अर विचार बतावैं सैं कि अपनी समस्याएं नै किस तरिया सुलझावै। अर

तर्क सै के अपने मन मैं विचार करण अर उन प्रश्नों का उत्तर पाणे की कोशिश करणा जो केवल परमेश्वर के पास सैं।

इस अध्याय के अन्त मैं न्यूं कहें के गड़बड़ी पैदा होया करै सै उस बात को समझाणे या प्रश्न का उत्तर ढूढ़णे की कोशिश मै जो केवल परमेश्वर ही जाणया करै सै। किसे कारण यो केवल वोहे जाणया करे सैं। पर बतावै कोणी।

2

तर्को (वाद–विवादों) तै मुक्ति

पहले अपनै समझणा पडैगा के मेरा मन किस तरियां का था ताकि आप सचमूच तर्क तै मेरी मुक्ति को समझ सको।

जीवन की शुरूआत मैं ही मनै यू निष्कर्ष (निचौड) निकाल लिया के मनै किसे पै भी आश्रित नहीं रहणा सै आजाद रहणा सै अर अपणी देखभाल खूद करणी सै। यो ही सबतै अच्छी अर सुरक्षित धारणा सै मनै यूं समझ लिया था के मैं जितनी कम किसे तै मदद मागूंगी अपने जीवण मैं उतनी बेहतर रहूंगी क्यूंकि किसी बी बात खातर किसे का भी एहसान मेरे उपर नहीं होगा मैं चोट खा–खा कै तंग आ गई थी अर मनै सोच्या के इस तरियां का रवैया मनै दुखां ते बचावैगा।

बेशक मैं गलत थी पर मनै यूं समझण मैं बौहत टैम लाग्गया अर इसको स्वीकारने मैं भी बड़ा टैम लाग्गया क्यूंकि मनै वो साल चिंता मै, तर्क मैं, अनुमान मै, सिद्धान्तों मैं, कल्पनाओ मैं, क्रोध मैं, हताशा मैं, परेशानी मैं, बिताए अर या लिस्ट बढ़ती गई हम जितना स्वाबलम्बी सां उतना ही किसी और पै या परमेश्वर पर भरोसा करणा कठिन होया करै सै।

प्रभु चाहवै सै के हम उस पै निर्भर हों। उसतै आजाद ना हो अर खूद पै निर्भर ना रहें। आप कितना ज्यादा यीशु मसीह पै भरोसा करते हों। आप उतनाए ज्यादा बातें उनपै छोडोगे जिनको आप समझ नही पाते। ये जानते हुए कि वो जानते है। अर जब सही टैम आवैगा वो म्हारे पै प्रकट कर देगा।

इस तरियां के रवैये नै नकारात्मकता तै ना उलझाइयों, हमनै नाकारात्मक नहीं बनना सै। कम तै कम विश्वास के मामले मैं तो नहीं। जे आपके या आपके किसे मित्र की जिन्दगी मैं कोई घटना हो जावै अर आप नहीं समझ पाओ के यू क्यों होया अर के होया फेर आपनै जरूर ही प्रार्थना करकै शुरूआत करणी चाहिए। पवित्र आत्मा तै मांगो के वो आपनै समझदारी दे अर आपनै सिखावै इस पै प्रकाश डालनें अर आपनै ज्ञान की समझ दें। फेर बाट देखो जद तक वो ना दे यो जाणते होए कि परमेश्वर टैम आण पै आपनै समझदारी देगा।

जब आपके दिल मैं सवाल उठै तो शायद कुछ टैम आप उन पा सोचैं पर किसे खास टैम अपणे आपनै गड़बड़ी मैं महसूस करों सौ बस परमेश्वर का धन्यवाद करो के उसके धौरे जवाब सै, उसतै बताओ के आप संतुष्ट सौ के उसके धौरै जवाब सै। अर उसते बताओ के आप उसपै भरोसा करो सौं के टैम आण पै वो आपतै यो बतावैगा।

आप कदे भी तर्क अर गड़बड़ी तै आजाद ना हो पाओगे जब तक आप इस रवैये नै ना अपणाल्यो जिसका मै वर्णन कर रही सूं जिसनै कहया करै सै 'विश्वास का रवैया'।

3

विश्वास का रवैया

शायद हम विश्वास के एक सिद्धान्त का हवाला देवां या फेर वो रास्ता जिसतै हम परमेश्वर तै कुछ पा लें इफि 2:7–9 मैं हम न्यूं देखा के विश्वास के द्वारा अनुग्रह ते म्हारा उद्धार होया सै। इब्रा 11:1 मैं लिख्या सै के "विश्वास आशा करी होई चिजां का निश्चय अर ना देखी होई चीजां का प्रमाण सै" हम विश्वास का वर्णन अर परिभाषा कई तरियां तै दे सकां सै। पर मै बौहत सीधा तरिका नै मानूं सूं के विश्वास नै देखो यहां तक के जांचो के हम विश्वास मै काम कर रहे सै के ना, न्यूं कहकै के "विश्वास का एक रवैया सै"।

विश्वास का रवैया म्हारे तै विश्राम दिया करै सै इब्रा 4:3 मैं लिख्या सै हम जिन्होंने विश्वास करया उस विश्राम मै प्रवेश करया करै इब्रा 4 मैं न्यूं भी लिख्या सै के जिसनै उसके विश्राम मैं प्रवेश करया उसनै भी परमेश्वर की तरियां अपणे सारे काम पूरे करकै विश्राम करया। तर्क श्रम सै अर हमनै गड़बड़ी मैं ल्यावै सै विश्राम नहीं देता।

विश्वास का रवैया कहया करै सै के अपणी सारी चिंता उसे पै छोड दियो क्योंकि उसी नै थारा ध्यान सै। पतरस 5:7 इस मैं लिख्या

सै के जो बात हो रही सै मनै वो समझणे की जरूरत नहीं सै। अपणा टैम परमेश्वर नै जाणने मैं गुजारे अर न्यूं जाणने की कोशिश करें के वो के कर रह्या सै।

विश्वास के रवैये में चिंता, कुढना या फेर कल के बारे मैं ज्यादा उत्सुक होणा नहीं सै, क्योंकि विश्वास म्हारे तै न्यू समझावै सै के जहां भी जाणे की जरूरत सै कल के अणजाण रास्ते पै यीशु ओडै पहल्यां तै रह चुके सै। याद रखो वो वही सै जो था, जो सै, अर जो आण वाला सै। वो संसार की स्थापना तै पहल्यां था। उसनै रचना मैं मदद करी थी। थारे जन्म तै पहल्यां वो थामनै जाणै सै। उसनै अपणे हाथां तै आपको बणाया सै। आपकी मां की कोख मैं शुरू से ना केवल वहां पै बल्कि आरम्भ वोही सै शुरूआत सै।

समाप्ति पै के होवैगा? क्या वो चीजें शुरू करकै छोड़ दिया करै? ना! वो उसनै जो शुरू करया सै, उसनै खत्म भी करया करै सै। (इब्रा 12:2 फिलेमोन 1:6) वो अंत मैं वही होगा वो खूद ही अंत सै, अनादि सै। मै इसनै कुछ इस तरियां तै करणा चाहूं सू "वो ना केवल आदि अर अंत सै, आरम्भ अर अंत सै बल्के बीच का भी सारा ही वो आप सै"।

मान ल्यो यीशु कुछ देर करै सै, मेरे बोहत सै आणे वाले कल बाकी सै, अर आपके भी मनै यो जाण के खुशी सै अर इस ज्ञान तै दिलासा सै के कल जो भी होगा वो मेरे कल नै अर मनै अपणी हाथ की हथेली मैं थामे रहेगा। (यशा 47:16)

विष्वास का रवैया हर दिन एक एक करकै जिया करै सै।

4

अनुग्रह हर दिन के हिसाब तै आया करै सै

"तर्क" या तो हमनै अतीत मैं फंसा लिया करै सै या फेर भविष्य की तरफ धकेलणे की कोशिश करया करै सै। याद करो के बाईबल मैं लिख्या सै (इब्रा 11:1) जे आप अतीत मैं रहणे की कोशिश करोगे जीवन मुश्किल हो जावैगा। उसनै खूद तै नहीं कहया "मै महान था" जै आप भविष्य मैं रहणे की कोशिश करोगे या इस बात का अदांजा लगाने की कोशिश करोगे के कल क्या होवैगा, जीवन कठीन हो ज्यावैगा। उसनै अपणे आपते नहीं कहया के "मै कितना महान् होऊंगा" पर जे आप एक–एक दिन करके जियोगे इस दिन जिस दिन मैं आप इबै सै। तो जीवन बोहतए आसान हो जावगा। उसनै न्यू जरूर कह्या था के "मै सूं" (निर्गमन 3:14) अब विश्वास सै।

उसनै तुफान मैं चेलयां ते कहया था। "तुम डर क्यूं हो रहे सौ? धीरज राखो मै सूं।" के आप समझे? यीशु नै न्यू कहया "मै सूं" यहां थारी खातर इस टैम अर जब "मै हूँ" सब कुड ठीक हो ज्यागा।

आज खातर जीओ गुजरे कल अर आण वाले कल की चिंता आज नै चुरा लिया करै सै। आपको आज की खातिर अनुग्रह प्राप्त होया सै कल के खातर अनुग्रह कल तक नहीं आवैगा अर बीते कल का अनुग्रह खत्म हो चुका सै। अनुग्रह सक्षमता सै, एक अहसान सै, अर पवित्र आत्मा की शक्ति सै के आपकी मदद कर सकै। हम टैम तै पहल्यां अनुग्रह नै नहीं पा सकते के उसनै समेट के रख लियां इस तरियां नहीं हो सकै।

याद कीजिए बियाबान मैं इस्रालियां तै परमेश्वर नै अनोखी तरियां ते खाणा दिया, स्वर्ग तै खाणा बरसा कै। उसे उन्होने कहया था "मन्ना" म्हारी तरियां ही, वे इस बात तै निश्चित होणा चहावै थे के कल के लिए उनके धोरे काफी हो जिस तरियां आज सै वे चहावै थे के कल का इंतजाम आज हो जयावै कल कुछ हो जयावै तो या फेर परमेश्वर कल चम्तकार करणा भूल ज्यावै तो पर परमेश्वर नै उनतै मना करया था के हर एक दिन की जरूरत तै ज्यादा इकट्ठा ना करणा। सिवाय विश्राम दिन के। अर एक दिन जो जिण की खातर काफी हो। उसतै ज्यादा उन्होंने इक्कठ्ठी करया तो वो सड़ जाया करै था।

कुछ देर रूक के इस पै सोचो। यो बोहतए प्रभावशाली उदाहरण सै जिसनै हम अपणे जीवण पै लागु कर सकां सै। जब आप तर्क करो सो, चितां अर चिडचिड़ाते रहया करो सो। आप कल के खातर मन्ना इक्कठ्ा करण की कोशिश कर रहे सौं। (नितिवचन 3:5) मैं लिख्या सै के तू अपणी समझ का सहारा ना लेणा वरन् पूरे मन तै यहोवा पै भरोसा रखणा।

मनै एक बार निम्नलिखित वर्णन पढ़या था के दो माणस यीशु मसीह पै अपणी गवाही देणे के जुर्म मैं जेल मे थे। अगले दिन सवेरे उन्हे अग्निदण्ड मे जलाया जाणा था। उनमै ते एक जणा बूढ़ा सन्त था जिसनै परमेश्वर के कामा का काफी अनुभव था दूसरा माणस नौजवान था जो परमेश्वर तै बोहत ज्यादा प्यार करै था। पर परमेश्चर के कामां का उसनै ज्यादा अनुभव नहीं था। जिस तरियां शाम ढ़ली नौजवान माणस नै मोमबत्ती जलाणे के खातर दियासलाई जलाई, कमरे मैं अन्धेरा हो रहया था। इस काम मा उसनै अपणी उंगली जला ली। वो बड़ा बेचैन हो गया अर उसनै कह्या के जे अपणी उंगली जलने पै मै इतना दुख पा रहया सूं तो कल नै अग्निदण्ड मैं खड़ा होकै जलाया जाणा सहन ना कर सकूंगा।

बूढ़े सन्त नै उसतै हिम्मत देवते होए कह्या "बेटा प्रभु ने तेरे तै उंगली जलाने की खातर नहीं कह्या था। इसलिए इसके खातर तेरे पै अनुग्रह नहीं आया वो तेरे तै अपणे जीवन का बलिदान देणे के खातर कह रहया सै। तुम यकीन रखो, जब सवेरा होगा तो तब तनै जो करणे की जरूरत होगी उस खातर तनै अनुग्रह मिल ज्यावैगा।"

देख्या आपनै उस बूढे सन्त नै पता था के जब सवेर होगी तब हर हाल मैं परमेश्वर का अनुग्रह वहां पै होवैगा। इसलिए वो आज मै सन्तुष्ट था। क्योंकि उसनै आज मै विश्वास था के कल वो अनुग्रह वहां पै होवैगा।

आप इस उदाहरण ते देख सको सौ के विश्वास तर्क तै मुक्ति दिया करै सै! विश्वास भविष्य नै जाणने की खातर मजबूर नहीं, विश्वास विश्राम पाया करै सै। क्योंकि उसनै पता सै के परमेश्वर कल

का मन्ना कल भिजवा देवैगा। मैं सचमुच आपनै प्रोतसाहित करूंगी के यो समझणे की कोशिश मैं के मै अतीत मैं बचया होया था अर भविष्य मैं के होण आला सै अपणा आज ना गवां देणा।

जिसा मनै कदे पढ़या था बीतया होया कल एक रद्द करे होए चैक की तरियां होया करै सै पर आण वाला कल एक वचन पत्र की तरियां सै अर आज ही वो नगद पैसा सै जो आपके धोरे सै उसनै अकलमंदी ते इस्तेमाल करणा।

5

जे केवल

प्रेरित पौलुस फिलिप्पियों मैं म्हारे तै सिखावै से के जो अतीत मैं रखया सै हमनै उसको छोडणा पडैगा अर उसकी ओर चालणा सै जो आगै सै। (फिलि 3:13) आप किस तरियां अतीत तै चिपके रह सको जे विचारों द्वारा नाहि तो? मेरा मानणा सै। के हम अपणे मन मैं अतीत के पहियां नै घुमा सकां सै अर हमनै योहे शक्ति आज के खातर काम मैं लाणी सै।

के कदे आप अतीत की गलतियां नै बार–बार दोहराया करो सो? के आप कदे सोचो सो? "मै इसा क्यूं करूं?" अर ओह, "जे मनै इस–इस तरियां करया होदां तो" सावधान रहणा इस "जे केवल" तै।

शायद आपनै कदे सोचया हो के आप सारी बातें वैसे ही कर रहे सो जिस तरियां करण की जरूरत सै अर फेर भी बातें बिगड़ रही हो, आप शायद हैरान हो यू हालात इस तरियां क्यों हो गये। जिस तरियां हो रहे सै? क्यूं प्रभु क्यूं मनै इसका पता लगाणा पडैगा। समझ मैं नहीं आ रहया। मै इसनै जाणे बिना नहीं रह सकदी, ओह मै इतनी

उलझ गई सूं। के आपकी सोच इस तरियां की लागै सै? के मैं साफ कह दूं? "आप अपणे आप पै जुल्म कर रहे सो" मनै इस तरियां करदे–करदे कई साल बिता दिये इसतै कोई फायदा नहीं होया। अतीत मै कई बात थी अर सैं जिसनै मै अभी तक भी समझ नही पा रही। पर मैं परमेश्वर का धन्यवाद करूं सूं, के उसनै मेरे तक संदेश पहुंचा दिया के जो पाछे छूट गया सै उसनै भूलणा पडैगा अर आगै की बातां की ओर चालणा पडैगा। इब मनै बौहत सी शान्ति मिलै सै।

वचन मैं यशा 26:3 मैं लिख्या सै "जिसका मन तुझ मैं धीरज धरे होए सै उसकी तू पूर्ण शांति ते रक्षा करै सै" इसमैं इस तरियां नहीं लिख्या के जिसका मन तर्क मैं और हर बात जाणने की कोशिश मैं लगया रहे सै। उसकी तूं पूर्ण शान्ति तै रक्षा करै सै।

वैसे तो बौहत सी अनुचित अर अन्याय वाली बाते होया करै सै। जो मेरे अतीत मैं भी थी शायद आपके मैं भी हो। मेरी गेल्या बौहत सी बात होई जो अुनचित थी जिनतै मनै बौहत सी तकलीफ होई, चोट लगी दूख होया जिनतै भूलणे मै कई साल लाग गए।

मनै कई साल बिता दिए आत्मदया मैं अर अपणे मन मैं कुढआहट लिए सदा क्रोध अर गुस्से मैं थी कारण जाणने की कोशिश करदे होए के, मेरी गेल्यां इसा क्यूं होया। परमेश्वर नै मेरी मदद क्यों नहीं करी? किसे नै भी मेरी मदद क्यों ना करी?

आखिर मैं मनै जाण लिया के मै खूद को ही दूखी कर रही थी। मै अपणे सारे आज बेकार मैं गवां रही थी। अपणे गुजरे कलों को समझणे मैं। एक दिन परमेश्वर नै मेरे तै कहया "जोयस या तो तुम दयानीय हो सको, सो या फेर शक्तिशाली तुम क्या चाहती हो?"

कदे–कदे शायद आप पिछली विजयों मैं जीया करते हो, आप इसे मैं उलझ के रह सको सो, वो बात समझणे की कोशिश मैं के आपनै क्या करया के जिसतै आपनै विजय मिली। ताके आप इसनै दोबारा कर सको। मै मन ही मन मैं अपणे अतीत की जीत पै इतरावती रही ये भी आपको आगे बढ़णे ते रोक सकै सै। अतीत तो अतीत सै चाहे अतीत मैं विजय हो या हार, यो तो फेर भी अतीत ही रहगा। यो बीत गया सै। आज जियो।

खुशी की यादां मैं कोए भी हर्ज नहीं सै, पर यो गलती सै, पर एक बड़ी गलती के पाछे वाली जीतां मैं जीणा।

अपणे जीवन की हर घटना के बाद, पर्दे नै अपणे पैर पर गिर जाणे दो जब आप उस बात नै छोड़ कै आगे वाली बात की ओर बढ़ते हो।

मै दोबारा आपके लिए दोहराणा चाहूं सूं के "जे केवल" तै सावधान रहणा जे कुछ बुरा हो तो हम सोच सकां सै, "जे केवल" मनै यो काम इस तरियां ना करया होता, जे कोए अच्छी बात होती है हमें न्यू सोचदे होए पाया जाया करै सै "जे केवल" मै इसनै दोबारा कर सकती।

पाछली बात भूल जाओ। इसनै ज्यादा समझणे की कोषिष ना करो। अब एक फैसला करो आगै बढ़णे का।

6

के हो जे (क्या हो जे)

एक और मानसिक तीर (इफिसियों 6:16) मैं बाईबल उन्हे जलते होए तीर कहती है। जो शैतान म्हारे पै चलाया करता है। वो सै भय पैदा करणे वाला ब्यान "के हो जे"।

के होगा जे पैसा ना आया? के होग जे म्हारे को ठेस लागै? के होगा जे तुम बौहत बीमार हो गए? के होगा जो नौकरी छूट ज्यावै? के होगा जो जीवन भर आप अकेले रहेंगे? या, ये कैसा रहेगा, क्या होगा जे परमेश्वर नै थारे तै बात ना करी? के होगा जे तुमने कोई गलती कर दी? के होगा जे तुम फेल हो गए? के होगा जे वे तेरे पै हंसे? के होगा जे तुम नकार दिए? अर इस तरियां सूचि बढ़ती जाती है। के तुम विचारां की यो रूप रेखा पहचाण सको सो?

ये "के होगा जे" एक तरियां और सै जब हम तर्क द्वारा सारी बाता नै जानणे और समझणे की कोशिश करया करै "के हो जे" विचार आया कर जो उन विचारां की कड़ी बण जाया करै सै जो बोहत ही निराशाजनक तस्वीर पेश करया करै सै। "के हो जे" हमनै भविष्य मैं

ले जाया करै सै। अर हमनै मजबूर कर दिया करै सै के उन बातां तै डर जो अभी तक हुई भी नही अर शायद कदे होंगी भी नहीं जद तक के भय के द्वारा हम उनका निर्माण ना कर लियां।

"के होगा जे" वैसी ही गड़बड़ी पैदा कर दिया करै सै जैसी कि "जै केवल" ते होया करै सै। ये दोनो उसी तरियां की सोच सै, जिसमै हमनै नहीं पड़णा। बेशक ये दोनों 2 कुरि 10 मैं दिए गए हर ऊँची बात अर कल्पना के अर्न्तगत, और कल्पनाए इन सभी को हमनै त्यागणा सै।

मेरे कहणे का के मतलब सै। आईये मै आपनै एक व्यवहारिक उदाहरण दूं। एक टैम था म्हारी सेवकाई को एक इमारत की जरूरत थी। जहां हम अपनी साप्ताहिक सभाएं कर सकां। जिस इमारत मै हम पांच साल तै ज्यादा टैम पहल्या ते मिल्या करां थे। उसे लगभग दो साल के भीतर गिरा दिया जाणा था। अर उसकी जगह पै शापिंग सैंटर बणने वाला था। हम ऐसी जगह टोह रहे थे जहां म्हारे दफतर भी बण जावै, साप्ताहिक सभाएं भी हो जावै अर फेर भी अतनी जगह बच जावै के एक नर्सरी बणा सकैं। बच्चों की सेवा अर विकास की खातर जगह रहती। वगैरा–वगैरा। हमनै पार्किंग खातर भी 300 स्थानां की जरूरत थी। इब कोई सोचैगा के यो ढूंढणा कोई मुश्किल काम तो सै नहीं। पर ये इतना आसान भी नहीं था। जितना आप सोचो सौ। हम दो साल तक ढूंढते रहे, हर संभावना जो हम जाणते थे खत्म कर चुक थे। इस तरियां लागै था के हम आधी गली मैं आ गए।

शैतान नै जलते होए तीर फैंके जैसे, "के होगा जे दो साल बीत गए अर जगह ना मिली तो?" एक जलता होया तीर आया जिसकी

गेल्यां यो संदेश था, जे केवल तुमने वो–वो सम्पती खरीदी होवती जब वो सस्ते मैं थी तो तुम इस स्थिति मैं नहीं होते, "के होगा जे" तुम परमेश्वर नै ना पा सके। जे केवल तुमनै इस तरिया की बातां का पता होता, तब तुम जानते कि शायद के करया जावै के हो जे तुम सम्पती खरिद ल्यो अर परमट ना मिलै जो जरूरी होव? के हो जे तुम कुछ खरीद ल्यो अर फेर तुम्हें कुछ और मिले जो इसतै ज्यादा बेहतर हो अर बेहतर कीमत पै मिलै?

मै अक्सर परमेश्वर का धन्यवाद करया करूं सूं के मैं तर्क की कैद तै मुक्त हो गई। इसतै पहल्यां के इमारत का मसला म्हारे सामणे आया, जे इसीए परिस्थिति कुछ साल पहल्यां आई होती तो मैं अपणे आप नै बौहत दुखी कर लेती। उलझण मै अर डरी हुई होवती इन बातां का विश्लेषण करते होए।

इब मैं इस बात पै विश्वास करते हुए योग्य बणी सूं के म्हारे कदम परमेश्वर की आज्ञा तै उठते सै। (भजनसहिंता 37:23) हम प्रार्थना कर रहे सै अर परमेश्वर पै भरोसा कर रहे सै, अर उसकी इच्छा चाहवैं सै। इसलिए, वो ही म्हारे को सही समय पै सही स्थान पै पहूंचा देगा, अक्सर परमेश्वर, ज्यादा जल्दी नहीं करते पर वो देरी भी नहीं करते, हमनै बहुत से सौदों को कारगर बणाणे की कोशिश पै कोशिश करी थी अतीत मै, पर वो थे के हल हो ही नहीं पा रहे थे। चाहें कितनी भी कोशिश करल्यां फेर भी, ठीक टैम पै परमेश्वर नै म्हारे को बोहत शानदार जगह किराए पै दिलवाई, अर वो हर कदम पै हमेशा म्हारे को देते ही रहैंगे।

इब मै अलग–2 हालातो पै गौर कर सकुं अर देख सकुं हुँ कि वे क्यूं सही ना होते, पर उस टेम तो ऐसा लागै था, कि मैं जगह

ढुंढण की घणी कोशिश करूँ अर कुछ बण नी पाव्वा सै। कुछ भी न होवै जब जिब हम परमेश्वर के ठीक टेम ते बहार कुछ करण की कोशिश कर रहे सैं।

परमेश्वर सचमूच न्यूं जाणै सै, के वो के कर रहया सै वो सचमूच नियत्रंण राख रहया सै। मै न्यूं सोच कै बेचिन्त हो सकूं सूं। चाहे मनै न्यूं पता भी ना हो के मै के करण आली सूं। पर मनै न्यूं जरूर बेरा सै के मै उसनै जाणू सूं, जिसनै यो सारा कुछ पता सै।

आप क्या कर रहे सो? के तुम यीशु नै जाणो सो? फिर आप सर्वज्ञाता, स्र्वशक्तिमान, स्र्वव्यापी परमेश्वर नै भी जाणते सौ। वो जो सबतै शक्तिशाली सै, सब जाणता सै हर समय अर हर जगह पै सै।

शांत! के हो जे आप समझणे की लाख कोशिश करो सो अंत मैं आप सोचया करो सो के आपनै सब पता लगा लिया सै अर परमेश्वर आपनै हैरान कर दिया करै के वो बिल्कुल अलग तरिके तै काम कर डालै सै? फेर वो सारा टैम बेकार ही गंवाया .... क्या आपनै तर्क अर गड़बड़ी मैं काफी टैम खराब ना कर दिया?

एक सुझााव सै के हो जे आप बस आष्वस्त हो जावै अर परमेष्वर नै परमेश्वर रहणे दो?

7

अपणी अक्ल के पाछै ना जाओ

मै प्रार्थना कर रही थी के मेरे जीवन मै ज्यादा तै ज्यादा विवेक का इस्तेमाल हो सकै, दरअसल, मै इसके बारे मैं बोहत पहल्यां तै प्रार्थना कर रही थी। जब पवित्रा आत्मा नै मेरे तै बताया, "तू कदे भी विवेक कै अधीन काम ना कर सकै जोयस, जब तक तूं तर्क नै एक पासै ना रख दे"।

पहला कुरिन्थियों 1:14–15 म्हारे तै साफ–साफ बताया करै सै के शारीरिक माणस कदे भी आत्मिक माणस नै समझ नहीं सकता परमेष्वपर नै अपणा आश्य समझाणे की खातिर इस शास्त्र वचन का इस्तेमाल करया सै। जे मेरी आत्मा कोई विश्लेषण करै सै तो मेरा दिमाग तर्क करै सै के इसका कोए मतलब भी सै के ना, मै कोई भी प्रगति नहीं कर पाती क्यों? क्योंकि जो कुरिन्थयों 2:14 मैं लिख्या सै वो सै शारीरिक माणस जो परमेष्वर की आत्मा की बातां नै ग्रहण नहीं कर सकता। क्योंकि उसकी नजर मैं वे सब मुर्खता की बात सै, अर ना वो उनको जाण सकता, क्योंकि उनकी जांच आत्मिक रिती तै होया करै सै आपकी आत्मा वो बातें जाणै सै जो आपका दिमाग नही जाणता।

जे आप परमेश्वर के दोबारा जिलाए होए बेटे है तब पवित्र आत्मा आपके शारीरिक आत्मा मैं बसया करै सै। मेरा मानणा सै के पवित्र आत्मा म्हारे तै बौहत सी बात बताया करै सै। जो हम नहीं मानते क्योंकि हम शारीरिक आत्मा के अनुसार ज्यादा काम करया करैं सै।

मैं आपनै एक उदाहरण देती हूं एक सवेरे मैं अपणी साप्ताहिक 'लाईफ इन द वर्ड' की सभा मैं जाणे के लिए तैयार हो रही थी, मै एक लुगाई के बारे मैं सोच रही थी जो म्हारी मदद सेवकाई चला रही थी, उस खास सभा मैं ओर वह कि वो कितनी वफादार थी। मेरे मन मैं एक इच्छा जागी कि किसी तरियां उसनै आशीष दूं उसकी खातिर कुछ करूं। मनै कह्या, मै रूथ ऐन की खातर के करूं? मनै, एक जोरदार प्रभाव महसूस होया, या आप कह सको सो के मनै बस पता था के मै अपनी लाल ड्रैस उसनै दूंगी जो अलमारी मैं लटकी सै। मनै तीन महीने पहल्यां वो ड्रैस खरीदी थी। हांलाकि वो मनै बौहत पंसद थी जब भी मनै उसको पहरणे की सोची, मनै उसतै पहरणे की हच्छा ही ना होई। वो अभी स्टोर मै तै ल्याए होए प्लास्टिक के बैग मैं लटकी थी। अर सारे लेबल भी न्यूं की न्यू लागे होए थे। रूथ ऐन मेरे तै थोड़ी सी मोटी थी अर हैरानी की बात या थी कि मै अकसर जो साईज पहन्या करूं सूं उसतै एक साईज बड़ा लेती थी, क्योंकि उसके पास मेरे साईज का ड्रैस नहीं था, क्योंकि जिस तरिया वो ड्रैस डिज़ाईन करया गया था पता नहीं लाग रहया था के वो मेरे तै थोड़ा सा बड़ा था।

खैर जब मेरी आत्मा मैं जोरदार इच्छा उठी के यो ड्रैस उसे दे दूं तो मेरे दिमाग नै कहया के "वो तो नई ड्रैस सै" गौर करया के किस तरियां मेरा दिमाग, मेरा शारीरकि माणस मेरी आत्मा तै बहस

कर रहया सै। तो बहस का कोई मतलब ही नहीं निकलता। फेर मनै कहया, "बेशक आप यो तो नहीं कह रहे के मै वो ड्रैस उसनै दे दूं। जो बिल्कुल नई सै" दरअसल जे मनै परमेश्वर के चरित्र, उनकी दयालुता और उनकी उत्कृष्टता का सोच्या होता तो मनै पता होता के परमेश्वर यही कहेंगे के वो ड्रैस दे दो जो बिल्कुल नई सै। बजाय इसके के जो घिसी पिटी हो।

राजा दाऊद 2 शमुयल 24:24 मैं कह रहे सै एक मन्दिर निर्माण के बारे मैं, "मै अपणे परमेश्वर यहोवा को सेंतमेत के होमबली नहीं चढ़ाणे का"।

देख्या, म्हारा शरीर उसते जुदा होणे का बुरा नहीं मानता जिस चीज का म्हारे खातर कुछ भी महत्व ना हो, फेर भी नई ड्रैस एक अलग कहाणी सै उसे देण खातर मनै बलिदान देणा पड़या।

मेरी आखरी बहस सचमुच बौहत अजीब थी। मनै, कहया, "प्रभु मनै" मनै इनके गैल्यां मेल खावती होई लाल बालियां भी खरीदी सै मनै बौहत सुस्त आत्मगलानि के लहजे मैं कहया। मनै लाग्या के शायद प्रभु मेरे पै तरस खावेगा। उसका जवाब मेरे पहले दो तर्को मैं बिल्कुल चुप्पी था अर मेरे तीसरे तर्क जिसमै मनै बालियां का हवाला दिया था। उसनै मेरे ते जता दिया के मनै उसतै बालियां भी दे देणी चाहिएं। जे उसनै रखणा कोए समस्या है तो परमेश्वर म्हारे तै बहस नही करते वो म्हारे तै बताया करै सै। किसे इच्छा द्वारा, जानकारी द्वारा या आपकी आत्मा पै किसे प्रभाव द्वारा, कुछ ठहरया सा, छोटी सी आवाज, कई बार सुणाई देणे वाली आवाज या कई बार को शास्त्रवचन म्हारे खातर रोशन हो जाया करै सै। याद रखिए

परमेश्वर अपणी इच्छा तै बाहर म्हारे तै कुछ नहीं करवाएंगे, इच्छा सै उसका वचन, अर हाँ, आवाजों के पाच्छै चालणे तै सावधान रहणा। बोहत तरियां की आवाज सै इस बात का ध्यान राखणा के आपकी आत्मा पवित्र आत्मा की गवाही दे।

मेरी आत्मा ने गवाही दी कि रूथ ऐन तै ड्रैस मिलै, पर मेरा शरीर उसनै छोडणा नही चहावै था, इसलिए मै परमेश्वर का तर्क देती गई कि क्यों इसका कोए मतलब तो नही सै, पर परमेश्वर नै मेरे तै कोए बहस ना करी उसनै वो कह दिया जो उसनै कहणा था। जे आप याद करै के शुरूआत मैं के हो रहया था। मै रूथ ऐन के बारे मैं सोच रही थी कि वो कितनी बड़ी आशीष सै। अर मनै परमेश्वर ते पूच्छया के मैं उसकी खातर के करूं? उसनै मेरे तै बताया पर मेरा दिमाग इसनै पंसद नहीं कर रहया था। जबकि मेरी आत्मा ये जाणती थी के ये सही सै। इब यू मेरे उपर था के मै फैंसला करूं।

खैर मनै फैंसला टाल दिया, ये म्हारा मनपंसद तरीका सै, उस बात नै टालणे का जो परमेश्वर म्हारे तै कह रहे सै। बिना सीधे आज्ञा तोड़ण के या ऐसा हम सोच्या करै सै दरअसल टाल मटोल या आज्ञा ना मानणा सै। अच्छी नियत आज्ञा मानणा नहीं, परमेश्वर के वचन अनुसार काम करणा आज्ञा मानणा सै।

कुछ सप्ताह बीत गए अर मै ये घटना ही भूल गई पर परमेश्वर नहीं भूले।

मै रूथ ऐन की खातर प्रार्थना कर रही थी अर मनै दुबारा उनतै यो ही बात फिर सचमुच तै कही, "प्रभु मै रूथ ऐन नै किस तरियां आशिष दूं?" फेर दोबारा वही होया, वही लाल ड्रैस मेरी नजंरा कै

सामणे आई, मनै आखिर समझ लिया के मै आज्ञा नहीं मान रही थी अर उसतै लाल ड्रैस दे दी।

दरअसल मनै महसुस करया उसे दे देण का फैंसला करणे के बाद, के देख्या जावै तो शुरू तै ही मनै उसको देणे के लिए ही खरीदया था। अर इसलिए मेरी अलमारी मै वो तीन महीने तक लटकी रही, नई की नई मनै उसके बैग मै तै उसको निकालया भी नहीं, प्रभु बेषक ये बात पहले तै ही जाणै था। पर हम आज्ञा ना मानकै एक बखेड़ा खड़ा कर सकते है। या सारी गड़बड़ी जब पैदा होया करै जब शारीरिक माणस आत्मिक माणस नै समझ नहीं पाता। जिसके बारे मैं कुरिन्थियंो 2 बतावै सै।

"क्यूं प्रभु क्यूं?" शारीरिक माणस कहया करै सै "आप मेरे तै बलिदान कराणा क्यों चहावों सों? यू आसान क्यूं ना हो सकै? यूं इतना मुष्किल क्यूं होणा चाहिए?" रोमियो 6:6 मैं लिख्या सै के शरीर का मन सै पवित्र आत्मा बिना सोच अर तर्क! ये इसा विचार भी व्यक्त करै सै के इस तरियां के व्यवहार तै शान्ति नहीं मिलती।

हां जे इस किताब के मुख्य उद्देश्य को आपनै नजर अंदाज कर दिया सै, तो मै आपको याद करवा दूं के मै यू तर्क रखणे की कोशिश कर रही सूं के "क्यूं प्रभु क्यूं" उन बातां मै तै एक सै जो म्हारी गड़बड़ी का कारण बणकै म्हारी शान्ति छीन लिया करै सै, अर आखर मै म्हारा आनन्द भी।

के आप जीवन का आन्नद लेणा चाहवों सो? फेर तर्क नै जाणा पडैगा।

8

“तर्क” छलया करै सै

छले ना जाण की आज कल केवल एक ही उम्मीद सै, के आत्मा के साथ चलणा सीखो। आत्मा का अनुसरण करो, शरीर का नहीं। शैतान इस तरियां के शारीरिक मसीहीयां की खोज मै रहया करै सै जो दिमाग के पाच्छै चाल्यां करैं सै। अपणी भावना अर अपणी इच्छाओं के पाच्छै चाल्या करै बजाय वचन अर आत्मा कै। हम काम नहीं करते क्योंके या तो म्हारा मन करै सै या नही करता, हमे करणा पड़ैगा स्वर्ग के राज की खातर अर अपणी सुरक्षा की खातर इसे कदम उठाओ जो पवित्र आत्मा की बात मानै।

मन हर बात की जगह बणा लिया करै सै। वो कोई जगह पाणा चहावै सै जहां सब कुछ सांचे मै रख सकै ताकि इसका कोई मतलब निकल सकै अर इसते निपटया जा सकै, हमनै बिना उत्तर के प्रश्न पसंद नहीं आया करते। एक शस्त्र जो आत्मा म्हारे शरीर को क्रुस देण की खातर इस्तेमाल करै सै वो सै अनुतरित प्रश्न। जब म्हारे को जवाब पता ना हो। तो या तेा हमें परमेश्वर पर भरोसा करणा पड़ता है या चिंता करणी अर उसका पता लगाण की कोशिश करया करै।

पवित्र आत्मा का काम होया करै सै के विश्वासी नै सिद्धता के उस मुकाम तक ले जावै। यीशु द्वारा उद्धार पा लेण के बाद वो विश्वासी जो पिता मैं विश्वास करै सै उस टैम जब बात समझ मैं ना आवै वो ही सिद्ध विश्वासी सै। इसलिए परमेश्वर हमेशा म्हारे प्रश्नो का उत्तर नहीं दिया करते। क्योंकि वो म्हारे को विश्वास मै मजबूत प्रशिक्षित कर रहया सै। फेर भी आपनै याद राखणा चाहिए, आपका मन परमेश्वर की इस पूरी योजना के खिलाफ मै हो सै। आपका मन स्वाभाविक सै अर शरीर का अंग मान्या जावै सै जब तक यू नया ना हो जावै अर आत्मा मैं सोचणा शुरू नहीं करै।

रोमियो 4 हमनै शरीर का मन अर आत्मा के मन के बारे मैं बताया करै सै, गलातियो 4:17 मैं लिख्या सै के शरीर आत्मा के विरोध मै अर आत्मा शरीर के विरोध मैं लालसा करै सै, अर ये एक दूसरे के विरोधी सै।

चलिये हम अपणे असली विचार की ओर वापस आवै जो इस पाठ के शुरू मैं था। शारीरिक मन हर बात नै कही किसी सांचे मैं ढाल देणा चहावै सैं अर इसनै किसे छोटे से डिब्बे मैं रख देणा चहावै सै जहां वो फिट हो ज्यावै अर हमनै बिना ज्ञान के ना छोड़ै।

म्हारे दफतर मा कदे डाक के डिब्बों की लम्बी लाईन होया करै थी। हर एक कै ऊपर कर्मचारी का नाम लिख्या होया करै था। जब मनै किसे कर्मचारी तै कोई संदेश देणा होया करै था। इस डाक के डिब्बे मैं नोट लिख के डाल दिया करूं थी। कदे–कदे इस तरियां होता के मनै किसे कर्मचारी तै कुछ करणे को लिख्या होता अर वो काम ना होया होता, अर जांच करणे तै पता चालदा के मनै गलत

सांचे मैं नोट डाल दिया था कई बार मनै इसे खाली सांचे मै पाया होता जिसपै किसे का नाम भी ना होवै था।

प्रभु नै डाक के खांचे इस्तेमाल करे, मनै वो सिखाणे की खातर जो मैं आपको सिखाण की कोशिश कर रही सूं। उन्होनै मेरे तै सिखाया के जैसे मनै अपने दफतर मैं गलत खांचे मैं चीजे पा दी उसे तरियां कई बार अपणे दिमाग के खांचे मैं गलत बातें डाल लिया करू सूं। मै हमेशा चाहूं थी कि हर बात नै अपणे सोच मैं कही डाल लूं ताकि एक छोटा सा सुथरा सा पैकेट बणा ल्यूं जिसमे कुछ भी बिखरा ना हो। जो मनै महसूस हो रहया था। प्रभु पै विश्वास करणे मैं मेरी एक बोहत बड़ी समस्या थी 'तर्क' मै अक्सर पूछया करूं थी 'क्यू' प्रभु कूंय?' इसलिए मै बौहत गड़बड़ी मैं रहया करती। अर चिंता अर शांति का अभाव अर बिना आनन्द के।

मैं कई बार खूद नै छल्या करती, प्रभु नै मेरे तै दिखाया, क्योंके कई बार मनै सोच्या के मनै कुछ मसलयां का पता लगा लिया सै अर मै कोए कदम उठाण वाली थी या ना उठाणेवाली थी। उसके अनुसार मै जो सोच्या करूं थी, मनै बाद मैं पता चलता जब मै सब कुछ बिगाड़ लिया करूं थी। चाहे मनै पता था। के मै सब कुछ समझ गई सूं या मनै सब कुछ पता लगाा लिया सै लेकिन मनै इसको गलत खांचे मै रख राख्या था।

परमेश्वर नै नितिवचन 3:7 का इस्तेमाल करया इस सच्चाई को मेरे तै सिखाण की खातर "अपणी नजर मै बुद्धिमान ना होणा"।

परमेश्वर नै मेरे तै बता दिया के जैसा मै खूद नै समझुं थी उसतै आधी होशियारी मेरे मैं नहीं थी मैं मानसिक बुद्धिमता की बात नही

कर रही मै बात कर रही सूं म्हारे आपणे बारे मै आपणी राय की। हम सारी बातों का पता लगा चुके सै।

नितिवचन 3:5–6 मैं लिख्या सै के तू अपणी समझ का सहारा ना लेणा, वरण अपणे पूर्ण मन तै यहोवा पै भरोसा रखणा उसी का समरण करकै सब काम करणा। फेर वो तेरे खातर सीधा मार्ग निकालेगा।

जब परमेश्वर इसनै आसान बणावै सै तो आप गड़बड़ी या शंका मै नहीं रह पावतै, पर जे तुम तर्क करो अर पता करण की कोशिश करो तो शायद आप चक्कर काटदे रह जाओ अर कदे भी सच्चाई ना जाण पाओ। वचन 7 मैं लिख्या सै "अपणी नजर मै बुद्धिमान ना बणना"।

यहां स्थिति तै निबटणे के दो रास्ते सै एक जो सही सै दूसरा जो नहीं सै। एक आत्मिक सै दूसरा शारीरिक सै, चलो मान लियो के कोई मेरे तै निजि भविष्यवाणी तै अवगत करवावै सै। जो सच मै मेरे तै समझ ना आती, या न्यू कहें के मनै आध्यात्मिक सपना आवै सै, जो मनै समझ मैं नही आवता, मै पिता के पास जा के कह सकूं सूं "पिता" मनै ये समझ नहीं आ रहया, मै ये समझणा चाह रही सूं, इसलिए आपतै मांगू सूं के मनै बोध करावो मेरे तै समझ दें!

फेर वो बात या चीज जो मेरे तै समझ नहीं आती, एक कोने मैं रख दिया करूं सूं। दूसरे शब्दों मैं इसके बारे मैं फेर कभी ना सोचती। मै इसनै परमेश्वर के हाथां मैं सोंप दिया करूं। जे अर जब भी इसकी समझ देण नै वो तैयार होंगे। तब वे साईड तै उतारैंगे। अर मेरी याद मै (समझ मैं) इसनै वापिस ले आवैगें युहन्ना 14:16 मैं लिख्या सै "पवित्र आत्मा तुम्हारे तै सब बात सिखावैगा" जो कुछ मैने तुम्हारे ते कहया सै वो सब तुमनै याद करवावैगा।

दूसरी तरियां जिससे मै स्थिति तै निबट सकूं, वो ये सै के जो मनै कोइ सपना या भविष्यवाणी समझ ना आवै, तो मै इसनै समझ लेण अर उसका पता लगाण की सचमुच कोशिश करूं। मैं बोहत सै लोंगा तै इसके बारे मैं बात कर सकूं सूं। अर उनकी राय ले सकूं सूं। मै ये भी बता दू कि उनमै तै ज्यादा की राय अलग–2 ही होवैगी। अर ये मेरी उलझण नै और भी बढ़ा देवैगा, फेर जब मै सारी बांता का पता लगा ल्यूंगी, मै कोई कदम उठाणा शुरू करूंगी। पर सच, जे मै खूद तै सच्ची और ईमानदार रहूं तो मनै कहणा पडैगा के मेरे भीतर कोई शान्ति नही सै, जे मै कुछ करण की कोशिश मैं लगी रही उस पै आधारित जो मनै सोच्या इस सपणे, भविष्यवाणी या दृश्य के बारे मै तो मै अंत मै एक बोहत बड़ी गड़बड़ी करकै ही रहूंगी।

याद कीजिए तर्क तै गड़बड़ी होया करै सै। मै ये ना कहती के हम मसलो पै सोचा ही नही पर इसमै अंतर सै के किसे चीज पै लम्बे टैम तक ध्यान लगाणा न्यूं देखण की खातर कि क्या आप समझ पावों सों। इसनै, अर पता लगाण की इतनी कोशिश करणा के आप पूरी तरियां उलझ ज्यावो।

जब आप गड़बड़ी मैं खूद नै महसूस करो, तो इसनै चेतावनी या सकेंत समझे के हम किसे बात तै गलत ढंग ते निपट रहे सै।

9

गड़बड़ी आप का आनन्द छीन लिया करै सै

इस आखरी पाठ मै मनै ये साबित करण दे के गड़बड़ी परमेश्वर की ओर ते नहीं, पहला कुरिन्थियों 14:33 कह रहया सै, "परमेश्वर गड़बड़ी का कर्त्ता नहीं सै"। कुलुसियो 3:15 मैं लिख्या सै के शान्ति तुम्हारे दिलो मैं राज करै वोही थारे जीवण के निर्णय करे, शांति जब निर्णायक बनती है तो वो ही बताया करै सै के क्या रखणा सै अर क्या निकाल देणा सै।

गड़बड़ी शांति के बिल्कुल उलट सै, गड़बड़ी का मतलब सै सब कुछ इक्कट्ठा गड़बड़ हो जाणा। अपवित्र, उलझा होया, एक चीज का दूसरी की खातर धोका होणा या धुंधलापण शान्ति का मतलब सै व्यवस्था बिना छेड़छाड के, भीतरी संतुष्टि, सौम्यता, जे किसे माणस या लुगाई के पास शांति नहीं सै तो वो माणस या लुगाई आन्नद भी ना पा सकैगी, यीशु नै युहन्ना 10:10 मैं कहया सै चोर चोरी करणे

घात करणे अर नष्ट करणे की खातर आया करै सै, मै इसलिए आया सूं के वो जीवण पावै अर बोहतायत तै पावैं।

कुछ साल पहल्यां मनै फैसला करया के मै परमेश्वर का अर जीवण का आनन्द लूंगी। जे यीशु मेरी खातर इसलिए मरे के मनै ना केवल जीवन मिलै पर इसका आनन्द भी मिलै, फेर मनै इसका आनन्द उठाणे की कोशिश भी करणी चाहिए। यहून्ना 15 में वर्णन सै के यीशु नै किस तरियां आज्ञाकारिता का जीवण प्रवेश, वचन 1:19 उस आज्ञाकारिता के जीवन के बारे मैं बताया करैसै फिर वचन 11 मैं कह रहे सै, "मनै ये बातें तुम्हारे तै इसलिए कही सैं, के मेरा आनन्द थारे मैं बणया रहे, और थारा आनन्द पूरा हो ज्यावै"

इसतै बेशक न्यू ए लागै सै के वो चाहवै सै के हम जीवन का आनन्द उठावै। गड़बड़ी इस मकसद नै पूरा होण तै जरूर रोक्या करै सै।

समाप्त करदे होए मै आपनै प्रोत्साहित करणा चाहूं सूं के आनन्द मैं जीवण जीणे का फैसला करें। गड़बड़ी अर घबराहट मैं नहीं। आपनै तर्क छोडणा पडैगा, हर बार जब हम आत्मिक विजय पा लिया करे तो हमनै शारीरिक प्राकृति का कुछ त्याग करणा पडया करै सै।

शरीर का स्वभाव सै "के हर बात का पता लगाण की कोशिश करणा" आत्मा का स्वभाव सै परमेश्वर पै भरोसा राखणा के वो टैम आण पै सब कुछ बता देंगे।

जे आप तर्क का त्याग करोगे तो मनै सचमुच विश्वास सै के आप शान्ति अर आनन्द की फसल काटोगे।

एक नए जीवण का अनुभव

जे आपनै यीशु को कदे अपणा प्रभु अर उद्धार कर्त्ता बणने की खातर बुलाया नही सै, तो मैं आपनै आंमत्रित करूं सूं के आप अभी इस तरियां करै। आप यो प्रार्थना कर सको सों, जे आप सचमुच इसमै ईमानदार सो तो आप मसीह मैं एक नए जीवन का अनुभव कर सकोगे।

पिता परमेश्वर, मै विश्वास करूं सूं के यीशु मसीह आपके बेटे सै, संसार के उद्धारकर्त्ता सै। मै विश्वास करूं सूं के वो मेरी खातर क्रुस पै मरया अर उसनै मेरे सारे पाप ले लिए वो मेरी जगह नरक मैं गया। अर मौत अर क्रब पै जय पाई। मै विश्वास करू सूं के वो मरे होयां मै ते जी उठया सै अर आपके दाहिनै बैठया सै, मनै आपकी जरूरत सै, यीशु मेरे पांपा नै माफ करदे, मेरा उद्धार करें। मेरे भीतर आकै बसे, मै पुर्नजीवित होणा चाहूं सूं।

इब विश्वास करो कि यीशु आपके दिल मैं रहण लाग गए सै। आपनै माफी मिली अर आप धर्मी बणाए गए सों अर जब यीशु आवैगा आप स्वर्ग मैं जाओगे।

कोई अच्छी कलिसिया ढूंढिए जो परमेश्वर का वचन सिखाती हो अर मसीह मैं बढ़णा शुरू करें, आपके जीवण मैं परमेश्वर का वचन जाणे बिना कुछ भी ना बदलैगा।

प्रिय

युहन्ना 8:31–32 मैं लिख्या सै "जे तुम मेरे वचन मैं बणे रहोगे तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे और सत्य नै जाण ल्योगे और सत्य तुमनै स्वतन्त्र करैगा"।

मै आपनै प्रेरित करूं सूं के परमेश्वर के वचन नै थामो अर उसनै अपणे दिल मैं बो दो अर 2 कुरिन्थियों 3:18 के अनुसार आप जैसे–जैसे वचन पढ़ते जाओगे आप यीशु मसीह के तेजस्वी रूप मै अंश अंश करके बदलते जाओगे।

सप्रेम
जोयस

लेखक के बारे मा

जोयस मायर 1976 ते परमेश्वर का वचन प्रचार कर रही सै और 1980 तै पूरी टैम की सेवकाई मैं रही। सेंट लूईस, मसुरी मैं लाईफ क्रिश्चियन सैटंर के सहायक पास्टर के रूप मैं उन्होने लाइफ इन द वर्ड की साप्ताहिक सभाओं का विकास अर संचालन करया और उनमैं उपदेष दिया पांच साल तै ज्यादा टैम के बाद, परमेश्वर नै इसे समाप्त करया अर उसको टैम के बाद परमेश्वर नै इसे समाप्त करया अर उसको निर्देश दिया के अपणी खूद की सेवा स्थापित करै और उसे "लाईफ इन दी वर्ड इकं" का नाम दिया जावै।

जोयस के "लाईफ इन दि वर्ड" रेडियो और टेलिविजन कार्यक्रम पूरे अमेरिका और संसार भर मैं सुणे अर देखे जा सकैं सै। उनकी शिक्षाओं के टैप संसार भर मैं लोकप्रिय सै। वह वचन की सभाओं का संचालन करते हुए भ्रमण करै सै। जोयस अर उसके पति डेव "लाईफ इन द वर्ड" का कार्यभार संभालते है। वे 33 साल तै विवाहित सै अर 4 बच्चों के मा–बाप सै। सारे बालक विवाहित सै। अर अपणे–2 जीवण साथियों समेत डेव और जोयस की सेवकाई मैं काम कर रहे सै। जोयस और डेव सेट लुईस, मसूरी मा रह रहे सै।

जोयस का विश्वास सै के उसके जीवन मैं परमेश्वर नै उनको प्रभु वचन स्थापित करण का काम सौंप राख्या सै। वो कहया करै "यीशु मरया ताकि बन्दी मुक्ति पावै" अर बौहतए ज्यादा संख्या मैं

मसीह अपणे जीवन मैं बौहत कम या बिना किसे विजय के जी रहे सै। खूद को बोहत साल पहल्या उन्होंने अपणे आपको इसी स्थिति मैं पाया था, अर परमेश्वर वचन नै अपणा कै विजय मैं जीण की आजादी पा कै अब जोयस सक्ष्म सै, के बंदीयो को मुक्त करायें और राख नै सुन्दरता मैं बदल दें। जोयस का विश्वास सै के हर माणस जो विजयी बणा के रहता हैं वो दूसरे लोगां नै भी विजय की तरफ अग्रसर करया करै सै, जोयस का जीवण पारदर्शी और उनकी शिक्षायें, व्यवहारिक सै अर रोजमर्रा की जिन्दगी मैं लागू करी जा सकै सै।

जोयस नै भावनात्मक चंगाई अर संबधित विषयों पै शिक्षाएं दी सै अर देश भर मैं सभाएं करी सै हजारो लोगां की सहायक बणी सै। उन्होंने 200 तै ज्यादा कैसेट श्रृखंलाए रिकार्ड करी सै और 37 किताब लिखी सै। जो विभिन्न विषयो पै मसीह कलिसिया की मददगार हो सकती है।

To contact the author in the United States, please write:
Joyce Meyer Ministries
P.O. Box 655,
Fenton, Missouri 63026
or call: (636) 349-0303
or log on to: www.joycemeyer.org

Go to tv.joycemeyer.org
to watch Joyce's messages in a variety of languages

To contact the author in India, please write:
Joyce Meyer Ministries
Plot No. 512/B, Road No. 30,
Jubilee Hills, Hyderabad - 500 033
or call: 2300 6777
or log on to: www.jmmindia.org

बौहत बरस मै परेशानी मैं जीती रही, मैं हर बार सारी बातां का पता लगाण मैं रहूं सूं। इसते मनै बौहत दुख अर दर्द पौहचयां। 1 कुरिन्थियों 14:33 मैं लिख्या कि परमेसर गड़बड़ी का कर्ता नहीं, फेर मनै मसूस होया के बौहत लोग गडबड़ी के कारण बहुत ज्यादा दुख उठा रहे सै। इसलिए मनै परमेसर की ओर बढ़ना शुरू कर लिया, के क्यूं लोग इतनी गड़बड़ी मसूस करया करै सैं आप इसनै किस तरियां रोक सकोगे।

गड़बड़ी शांति के उलट सै अर थारे पास शांति नहीं सै तो आप जीवण का मजा कोनि उठा सकते। मेरा विश्वास है के यो किताब आप की सहायता करेगी के कैसे परमेसर का अर जीवण का आनन्द उठा सकोगे।

JOYCE MEYER MINISTRIES®
Plot No. 512/B, Road No. 30,
Jubilee Hills, Hyderabad - 500 033